This question paper contains 7 printed pages]

2602

Second Year Arts EXAMINATION, 2017

RAJASTHANI SAHITYA

Paper II

(पद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(*i*) 'ओ कुण है ?' कविता में निहित संदेश लिखिए।

(*ii*) 'बिण थांभा रो मे'ल' किसे कहा गया है ?

इकाई II

(*iii*) 'चतुर चिंतामणि' काव्य-ग्रंथ के रचयिता का नाम लिखिए।

(*iv*) 'टट्टू मत कर टेंट'—पंक्ति में कवि ने क्या संदेश दिया है ?

इकाई III

(*v*) 'नागदमण' का काव्यरूप क्या है ?

(*vi*) 'नागदमण' काव्य में किस पौराणिक घटना का आधार ग्रहण किया गया है ?

इकाई IV

(*vii*) 'दो वातां नै भूल.....।'—पद में कवि ने किन दो बातों की चर्चा की है ?

(*viii*) 'चतुर चिंतामणि' किस भाषा में रचित है ?

इकाई V

(*ix*) 'वयण-सगाई' अलंकार का **एक** उदाहरण लिखिए।

(*x*) 'चाम' और 'साखी' शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. 'हंस तोड़ा होठां रो सांच' में संकलित कविताओं का वर्ण्य-विषय क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

3. कवि आईदान सिंह भाटी ने अपने काव्य-संग्रह 'हंस तोड़ा होठां रो सांच' में सामयिक जीवन की विसंगतियों को किस प्रकार प्रकट किया है ? लिखिए।

इकाई II

4. 'चतुर चिंतामणि' के काव्य-शिल्प की समीक्षा कीजिए।

अथवा

5. व्यावहारिक जीवन में 'चतुर चिंतामणि' के नीतिपरक दोहों की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

इकाई III

6. 'नागदमण' काव्य का कथा सार लिखिए।

अथवा

7. 'नागदमण' काव्य में झूलां सांयाजी की भक्ति-भावना किस प्रकार व्यक्त हुई है ? अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई IV

8. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कुण जांणै कितरा जुगां सूं

फाट्योड़ी आंख्या

ड्ढयोड़ा डोळा

अेक जीवण री चितवण सारूं

तड़फातोड़ै

पण वा चितवण

कदै'ई नीं आई हाथ।

अथवा

9. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

बरजौ मत!'

करा दो ऊंडी ओळखाण

चौड़े चौखले

कै थूं-अपलंग अर आंधौनीं

पूरौ आदमी है

धरती ने धारणहार

मिनखापै री मरजाद

मुळकतै मोद रै उनमांन

सिलगतौ वासदी है।

इकाई V

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रेल दोड़ती ज्यूं घणा, रूंख दोड़ता पेख।

तन नै जातो दाण यूं, दन नै जातो देख॥

धरम धरम सब एक है, पण बरताव अनेक।

ईश जाणणो धरम है, जींरो पंथ विवेक॥

अथवा

11. निम्न पद्यावतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

बिहूं लोचनै नीर-धारा बहंती,

कनैयौ कनैयौ जसूदा कहंती।

कलंदी तणै आई लोटंत कांठै,

गयौ जांणि चिंतामणि रंक गांठै॥

खण्ड 'स'

12. 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' कविता-संग्रह के आधार पर राजस्थानी कविता के आधुनिक रूप का मूल्यांकन कीजिए।

13. 'चतुर चिंतामणि नीति, भक्ति और शौर्य की त्रिवेणी है।' इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

14. 'नागदमण' काव्य की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

15. (क) 'वयण-सगाई' अलंकार की परिभाषा देते हुए उसके प्रकार बताइये।

(ख) तत्सम व तद्भव शब्दों में क्या अन्तर है ? पाठ्यपुस्तक में आए किन्हीं **पाँच** तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।